

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: (महाभारतान्तर्गता) ॥

|               |    |                   |    |
|---------------|----|-------------------|----|
| सूर्याय नमः   |    | सोमाय नमः         |    |
| अर्यमणे नमः   |    | बृहस्पतये नमः     |    |
| भगाय नमः      |    | शुक्राय नमः       |    |
| त्वष्ट्रे नमः |    | बुधाय नमः         |    |
| पूषणे नमः     |    | अङ्गारकाय नमः     |    |
| अर्काय नमः    |    | इन्द्राय नमः      |    |
| सवित्रे नमः   |    | विवस्वते नमः      |    |
| रवये नमः      |    | दीप्तांशवे नमः    |    |
| गभस्तिमते नमः |    | शुचये नमः         |    |
| अजाय नमः      | १० | शौरये नमः         | ३० |
| कालाय नमः     |    | शनैश्चराय नमः     |    |
| मृत्यवे नमः   |    | ब्रह्मणे नमः      |    |
| धात्रे नमः    |    | विष्णवे नमः       |    |
| प्रभाकराय नमः |    | रुद्राय नमः       |    |
| पृथिव्यै नमः  |    | स्कन्दाय नमः      |    |
| अश्व्यो नमः   |    | वरुणाय नमः        |    |
| तेजसे नमः     |    | यमाय नमः          |    |
| खाय नमः       |    | वैद्युताग्रये नमः |    |
| वायवे नमः     |    | जाठरश्चाग्रये नमः |    |
| परायणाय नमः   | २० | ऐन्धनग्रये नमः    | ४० |

तेजसां पतये नमः

धर्मध्वजाय नमः

वेदकर्त्रे नमः

वेदाङ्गाय नमः

वेदवाहनाय नमः

कृताय नमः

त्रेतायै नमः

द्वापराय नमः

सर्वमलाश्रयाय कलये नमः

कलाकाष्ठामुहूर्तेभ्यो नमः ५०

क्षपायै नमः

यामाय नमः

क्षणाय नमः

संवत्सरकराय नमः

अश्वत्थाय नमः

कालचक्राय विभावसवे नमः

शाश्वताय पुरुषाय नमः

योगिने नमः

व्यक्ताव्यक्ताय नमः

सनातनाय नमः ६०

कालाध्यक्षाय नमः

प्रजाध्यक्षाय नमः

विश्वकर्मणे नमः

तमोनुदाय नमः

वरुणाय नमः

सागराय नमः

अम्शवे नमः

जीमूताय नमः

जीवनाय नमः

अरिघ्ने नमः ७०

भूताश्रयाय नमः

भूतपतये नमः

सर्वलोकनमस्कृताय नमः

स्रष्ट्रे नमः

संवर्तकाय नमः

वह्नये नमः

सर्वस्यादये नमः

अलोलुपाय नमः

अनन्ताय नमः

कपिलाय नमः ८०

भानवे नमः

कामदाय नमः

सर्वतोमुखाय नमः

जयाय नमः

|                        |    |                         |     |
|------------------------|----|-------------------------|-----|
| विशालाय नमः            |    | पितृमातृपितामहेभ्यो नमः |     |
| वरदाय नमः              |    | स्वर्गद्वाराय नमः       |     |
| सर्वधातुनिषेचित्रे नमः |    | प्रजाद्वाराय नमः        | १०० |
| मनः सुपर्णाय नमः       |    | मोक्षद्वाराय नमः        |     |
| भूतादये नमः            |    | त्रिविष्टपाय नमः        |     |
| शीघ्रगाय नमः           | ९० | देहकर्त्रे नमः          |     |
| प्राणधारकाय नमः        |    | प्रशान्तात्मने नमः      |     |
| धन्वतरये नमः           |    | विश्वात्मने नमः         |     |
| धूमकेतवे नमः           |    | विश्वतोमुखाय नमः        |     |
| आदिदेवाय नमः           |    | चराचरात्मने नमः         |     |
| अदितेः सुताय नमः       |    | सूक्ष्मात्मने नमः       |     |
| द्वादशात्मने नमः       |    | मैत्रेयाय नमः           |     |
| अरविन्दाक्षाय नमः      |    | करुणान्विताय नमः        | ११० |

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे  
श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

[http://stotrasamhita.net/wiki/Surya\\_Mahabharatam\\_Ashottara\\_Shatanamavali](http://stotrasamhita.net/wiki/Surya_Mahabharatam_Ashottara_Shatanamavali). This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>